

श्री बंशीधर न्यूज

कलम है, तो आवाज़ बुलंद है



सुविचार

एक रस्सी है, जिसका एक सिरा ख्वाहिशों ने पकड़ रखा है, और दूसरा ओकात ने, इसी खींचतान का नाम जिंदगी है।

न्यूज अपडेट्स

दो बाइकों की टक्कर में दो की मौत, दो गंभीर

मेदिनीनगर। पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में दो बाइक की टक्कर में दो लड़कों की मौत हो गई है जबकि दो गंभीर रूप से जख्मी हैं। दोनों घायलों को छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सभी मकर संक्रांति के मौके पर मेला घूमकर घर लौट रहे थे। मृत युवकों की पहचान 17 वर्षीय धीरज कुमार और मंदिआ के रहने वाले 19 वर्षीय सरीकुश अंसारी के रूप में की गई है। बताया गया है कि छतरपुर के खेंद्रा में मकर संक्रांति के मौके पर मेला का आयोजन किया गया था। मेला स्थल से एक बाइक छतरपुर की तरफ जा रही थी जबकि दूसरी बाइक हुसैनाबाद की तरफ जा रही थी। खेंद्रा के इलाके में ही दोनों बाइक की आपस में टक्कर हो गई। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गयी। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी को छतरपुर के अनुमंडलीय अस्पताल में भेजा, जहां दो धीरज एवं सरीकुश को मृत घोषित कर दिया गया। छतरपुर के थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में दो लड़कों की मौत हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एम आर एम सी एच मेदिनीनगर में भेज दिया है। घटना की छानबीन की जा रही है।



महाकुंभ-2025

महाकुंभ नगर। पंचाक्षरी मंत्र की अनुगुंज, मधुर भजन स्वर लहरी, हर-हर गी और हर-हर महादेव के जयघोष के मध्य महाकुंभ के पहले अमृत (शाही) स्नान पर अखाड़ों और नागा संन्यासियों की अवधूती शान से मंगलवार को संगम पर सनातनी आस्था का वैभव मुखर हो उठा। उमंग-उत्साह के बीच बैरागी अखाड़ों के वैराग्य का रंग और नागा संन्यासियों का आकर्षण अलग अलौकिक आध्यात्म की अनुभूति करा रहा था। यह दृश्य है संगम के घाटों का, जहां महाकुंभ का पहला अमृत स्नान मंगलवार सुबह 6.15 बजे से चल रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, शाम 6 बजे तक साढ़े तीन करोड़ श्रद्धालु संगम

में स्नान कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बाबत जानकारी साझा किया। हालात संभालने के लिए आर्मी को भी स्टैंड बाई पर रखा गया है। सभी 13 अखाड़ों के संत स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ में पहली बार शाही स्नान की जगह अमृत स्नान शब्द का इस्तेमाल किया गया। अखाड़ों ने नाम बदलने का प्रस्ताव दिया था। संगम में पवित्र दुबकी लगाने वाला पहला अखाड़ा श्री पंचायती अखाड़ा महानिवाणी अखाड़ा था। श्री शम्भू पंचायती अटल अखाड़े ने महानिवाणी अखाड़े के साथ अमृत स्नान किया। महानिवाणी अखाड़े ने 5.15 पर शिविर से प्रस्थान किया और निश्चित समय 6.15 पर

संगम घाट पहुंचा। श्री पंचायती अखाड़ा महानिवाणी अखाड़े के आचार्य रवीन्द्र पुरी जी महाराज एवं श्री महन्त यमुना पुरी जी महाराज की अगुवाई में अमृत स्नान किया। इनके साथ ही श्री शम्भू पंचायती अटल अखाड़े ने भी आचार्य सत्यम गिरी महाराज और महन्त बलराम भारती गिरी की अगुवाई में शाही स्नान किया। सुबह 6 बजकर 15 मिनट से शुरू हुआ अखाड़ों का अमृत स्नान शाम 4.30 बजे तक जारी रहा। अमृत स्नान में दूसरे स्थान पर श्री तपोनिधि पंचायती श्री निरंजनी अखाड़ा एवं श्री पंचायती अखाड़ा आनन्द के साधु-संतों ने पवित्र स्नान किया। तीसरे स्थान पर तीन संन्यासी अखाड़े श्री पंचदशनाम जूना एवं श्री पंच

और श्री पंचाग्नि अखाड़े ने स्नान किया। तीन बैरागी अखाड़ों में सबसे पहले अखिल भारतीय श्री पंच निमोही अनी अखाड़ा, अखिल भारतीय श्री पंच दिगम्बर अनी अखाड़ा, अखिल भारतीय श्री पंच निवाणी अनी अखाड़ा के महंतों और साधु संतों ने अमृत स्नान किया। तीन उदासीन अखाड़ों में श्री पंचायती नया उदासीन अखाड़ा, इसके बाद श्री पंचायती अखाड़ा, नया उदासीन, निर्वाण के संतों ने अमृत स्नान किया। अंत में श्री पंचायती निर्मल अखाड़ा के महंतों और साधु संतों ने अमृत स्नान किया। स्नान के लिए सभी 13 अखाड़ों को अलग-अलग 30-40 मिनट का समय दिया गया।

संगम नोज पर हर घंटे तीन लाख लोगों ने किया स्नान

पहले अमृत स्नान के दिन पवित्र संगम में शैव और वैष्णव मतों को मानने वाले साधु महंतों के अलावा लाखों श्रद्धालुओं ने दुबकी लगाई, लेकिन घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उम्मीद से ज्यादा रही। मेला प्रशासन की उम्मीद से बढ़कर श्रद्धालु महाकुंभ में पुण्य का भागी बनने आये। सर्वाधिक लोगों ने संगम नोज पर ही स्नान को प्राथमिकता दी। देर रात से ही संगम नोज पर भीड़ जुटने लगी। अनुमान के मुताबिक यहां हर घंटे तीन लाख से ज्यादा लोगों ने स्नान किया। संगम जाने वाले सभी मार्गों में 8 से 10 किमी लंबी श्रद्धालुओं की भीड़ है।

दुनियाभर का मीडिया और 50 से ज्यादा देशों के श्रद्धालु संगम पर मौजूद हैं। सुरक्षा के चाकचौबंद बंदोबस्त उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने बताया कि महाकुंभ का आज दूसरा स्नान है। मकर संक्रांति का स्नान अमृत स्नान है। दोपहर एक बजे तक 1.75 करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान कर लिया था। जनसैलाब लगातार आ ही रहा है। महत्वपूर्ण सड़क मार्ग पर पुलिस की समुचित व्यवस्था की गई है। रेल ट्रेफिक की भी मॉनिटरिंग हो रही है। साथ ही साथ घाटों की व्यवस्था भी सुदृढ़ की गई है। नवीन टेक्नोलॉजी के माध्यम से देर रात से ही भीड़ नियंत्रण की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। रात में थर्मल इमेजिंग के हिसाब से क्राउड कंट्रोल

किया गया तो दिन में टीथर्ड ड्रेन एवं सीसीटीवी कैमरे के विजुअल से ट्रैफिक व वाहन आदि को मॉनिटर कर रहे हैं। दिनभर होती रही खोया पाया की घोषणा मेला प्रशासन ने लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए महाकुंभ मेला क्षेत्र में दस अत्याधुनिक डिजिटल खोया-पाया केंद्र स्थापित किए हैं। पहले अमृत स्नान के दिन दिनभर लाउडस्पीकर से खोया पाया की घोषणा होती रही। मेला क्षेत्र में स्वयंसेवी संस्थाओं हेमवती नंदन बहुगुणा समिति एवं भारत सेवा दल द्वारा संचालित भूले भटके लोगों के लिए चलाए जा रहे केंद्रों में प्रथम अमृत स्नान के दिन कुल 308 लोगों को उनके परिवार से मिलाया गया।

गंगासागर में 40 लाख श्रद्धालुओं ने लगायी दुबकी दिल का दौरा पड़ने से तीन लोगों की मौत

कोलकाता। मकर संक्रांति स्नान के लिए देशभर से लाखों श्रद्धालु गंगासागर पहुंचे, जहां आस्था और भक्ति की लहरें उमड़ पड़ीं। मंगलवार शाम तक 40 लाख से अधिक श्रद्धालु गंगासागर संगम में पुण्य स्नान कर चुके हैं। इसी बीच, मेले के दौरान तीन श्रद्धालुओं की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। गंगासागर मेला इस बार पहले से भी अधिक विशाल रूप ले चुका है। प्रशासन के अनुसार, 1 से 12 जनवरी के बीच 40 लाख से अधिक श्रद्धालु गंगासागर पहुंच चुके हैं और



आस्था की दुबकी लगाई। प्रशासन के मुताबिक, रविवार को एक और सोमवार को दो श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई। इनमें से अधिकांश बुजुर्ग थे, जो लंबी यात्रा के बाद स्नान के

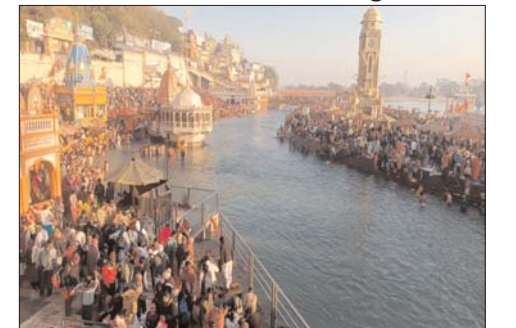
लिए यहां पहुंचे थे। अधिकारियों ने बताया कि मकर संक्रांति पर भारी भीड़ के बावजूद सुरक्षा और चिकित्सा व्यवस्था को पूरी तरह मुस्तैद रखा गया है।

परिवहन और अग्नि सुरक्षा व्यवस्थापक्षिम बंगाल सरकार ने इस बार गंगासागर मेले में अतिरिक्त सुविधा की व्यवस्था की है। राज्य परिवहन विभाग ने विशेष बस सेवाएं शुरू की हैं। इसके अलावा, समुद्र तट पर अग्नि सुरक्षा के लिए भी खास इंतजाम किए गए हैं। 86 वर्षीय रसायन वैज्ञानिक स्वप्न कुमार सेन की टीम लगातार अस्थायी शिविरों को अग्निरोधी बनाने में जुटी है। उनकी टीम बांस और होगला पत्तों से बने तंबुओं पर रासायनिक छिड़काव कर रही है, ताकि आग लगने की

घटनाओं को रोका जा सके। सुरक्षा के खास इंतजाम तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रशासन ने 13 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। इसके अलावा, सीसीटीवी कैमरों से पूरे मेले की निगरानी की जा रही है, ताकि भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन स्थितियों में तुरंत कार्रवाई की जा सके। तटीय इलाकों में चौकसीगंगासागर मेले के दौरान बांग्लादेशी घुसपैठियों के सक्रिय होने की आशंका के मद्देनजर सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है।

हरिद्वार के हरकी पैड़ी समेत विभिन्न घाटों पर साढ़े तीन लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में लगायी आस्था की दुबकी

हरिद्वार। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आए साढ़े तीन लाख श्रद्धालुओं ने हरकी पैड़ी सहित धर्मनगरी हरिद्वार के विभिन्न घाटों पर गंगा स्नान किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य दिया और परिवार के लिए मंगल कामना की। स्नान को संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से मेला क्षेत्र को 8 जून व 21 सेक्टरों में बांटकर सुरक्षा व यातायात के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। घाटों पर और मेला क्षेत्र में पुलिस बल की तैनाती के साथ सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी गयी। सुबह ब्रह्म



मुहूर्त में शुरू हुआ गंगा स्नान का सिलसिला दिन भर चलता रहा। स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने मंशा देवी, चंडी देवी आदि पौराणिक मंदिरों में दर्शन भी किए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमोद डोबाल ने बताया कि मकर संक्रांति

पर्व का मेला निर्विघ्न संपन्न हो गया। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रत्येक महत्वपूर्ण बिंदु पर पुलिस तैनात की गई थी। उन्होंने बताया कि शाम गंगा आरती से पूर्व साढ़े तीन लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में दुबकी लगाई।

